मार्ग खोलने वाला परमेश्वर

रविवार का उपदेश, 02 अगस्त, 2026

परमेश्वर बाधाओं को तोड़ता है (GOD BREAKS THROUGH)

2 शमूएल 5:17-20

> 17 जब पलिश्तियों ने सुना कि दाऊद का इस्राएल के राजा के रूप में अभिषेक किया गया है, तो सब पलिश्ती दाऊद की खोज में चढ़ आए। जब दाऊद ने यह सुना, तो वह गढ़ में चला गया।

> 18 पलिश्ती आए और रपाईम की तराई में फैल गए।

> 19 तब दाऊद ने यहोवा से पूछा, "क्या मैं पलिश्तियों पर चढ़ाई करूँ? क्या तू उन्हें मेरे हाथ में कर देगा?" यहोवा ने दाऊद से कहा, "चढ़ाई कर, क्योंकि मैं निश्चय ही पलिश्तियों को तेरे हाथ में कर दूँगा।"

> 20 तब दाऊद बाल-परासीम को गया, और दाऊद ने उन्हें वहाँ हराया; और उसने कहा, "यहोवा ने मेरे सामने मेरे शत्रुओं को जल की प्रचंड धारा के समान तोड़ दिया है।" इसलिए उसने उस स्थान का नाम बाल-परासीम रखा।

हमले के अधीन: दाऊद की सफलता ने बड़े विरोध को जन्म दिया। जब वह राजा बना, तो पलिश्तियों ने तुरंत उस पर हमला कर दिया।

निर्भरता की स्थिति: विपत्ति का सामना करते हुए, दाऊद ने परमेश्वर पर पूर्ण निर्भरता का हृदय बनाए रखा। यह जानते हुए कि केवल प्रभु ही विजय दिला सकते हैं, उसने युद्ध में जाने से पहले परमेश्वर से ईश्वरीय मार्गदर्शन माँगा।

परमेश्वर उत्तर देता है: परमेश्वर कभी भी हमारे संकट को अनदेखा नहीं करता है। वह लगातार स्वयं को प्रकट करता है और हमारी गहरी आवश्यकता के क्षणों में हमें उत्तर देता है।

भजन संहिता 120:1

> अपने संकट में मैंने यहोवा को पुकारा,

> और उसने मेरी सुन ली।

1 पतरस 3:12

> क्योंकि प्रभु की आँखें धर्मियों पर लगी रहती हैं,

> और उसके कान उनकी प्रार्थनाओं की ओर खुले रहते हैं;

> परन्तु प्रभु का मुख बुराई करने वालों के विरुद्ध रहता है।

कार्रवाई की आवश्यकता: यद्यपि परमेश्वर ने अपना उद्देश्य प्रकट कर दिया था, फिर भी दाऊद को युद्ध के मैदान में कदम रखना पड़ा। परमेश्वर द्वारा पहले से ही ठहराई गई विजय का अनुभव करने के लिए, दाऊद को विश्वास में आगे बढ़ना था।

आज्ञाकारिता विजय लाती है: दाऊद ने परमेश्वर के सटीक निर्देशों का पालन किया और शत्रु को पूरी तरह से हरा दिया। उसकी यह जीत प्रभु के द्वारा और प्रभु के लिए प्राप्त की गई थी।

अत्यधिक सामर्थ्य: दाऊद ने परमेश्वर की ईश्वरीय सामर्थ्य और रणनीति के माध्यम से एक दुर्जेय शत्रु पर विजय प्राप्त की। बाद के युद्धों में भी, दाऊद ने परमेश्वर की खोज जारी रखी और हर स्थिति के अनुकूल नई रणनीतियाँ प्राप्त कीं। जैसा कि 2 शमूएल 5:20 में दर्ज है, "...यहोवा ने मेरे सामने मेरे शत्रुओं को जल की प्रचंड धारा के समान तोड़ दिया है।" जहाँ एक शांत जलधारा ताज़गी देती है, वहीं एक शक्तिशाली और उफनती हुई धारा अपनी ताकत से हमें चकित कर देती है। तेज़ बहता पानी एक नरम तरल पदार्थ की तरह नहीं, बल्कि चलती हुई एक ठोस दीवार की तरह काम करता है। यह मिट्टी, नीं व, यहाँ तक कि सड़कों और घरों को भी बहा ले जा सकता है, जिससे वे ढह जाते हैं। यह प्रतीकवाद परमेश्वर की उस अचानक और अजेय सामर्थ्य को स्पष्ट रूप से दर्शाता है जो उसके लोगों का उद्धार करती है!

बाल-परासीम यरूशलेम के दक्षिण-पश्चिम में रपाईम की तराई के पास स्थित है। यह स्थान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दाऊद की शक्ति की मजबूती और नए अभिषिक्त राजा के रूप में उसके राज्य की स्थापना को दर्शाता है। बाल-परासीम का इब्रानी अर्थ है "बाधाओं को तोड़ने वाला प्रभु" (Lord of Breakthroughs) या "दरारों का स्वामी" (Master of Breaches)। दाऊद ने युद्ध के मैदान का नाम बाल-परासीम रखा, ता कि

वह उस निर्णायक विजय की घोषणा कर सके जो परमेश्वर ने उसे उसके भयंकर शत्रुओं पर प्रदान की थी। यह विजयी घटना 1 इतिहास 14:11 में भी दर्ज है।

जब दाऊद को अलौकिक हस्तक्षेप की आवश्यकता थी, तब परमेश्वर वहाँ उपस्थित हुआ। ठीक उसी तरह, परमेश्वर आज हमारे लिए भी बाधाओं को तोड़ने के लिए तैयार है।

परमेश्वर मार्ग खोलता है (GOD BREAKS OPEN)

मीका 2:12,13

> 12 हे याकूब, मैं निश्चय ही तुम सभों को इकट्ठा करूँगा;

> मैं निश्चय ही इस्राएल के बचे हुओं को एकत्र करूँगा;

> मैं उन्हें बाड़े की भेड़ों के समान,

> और चरागाह के बीच के झुंड के समान एक साथ रखूँगा;

> मनुष्यों की भीड़ के कारण वे बड़ा शोर मचाएंगे।

> 13 मार्ग खोलने वाला उनके आगे-आगे चलेगा;

> वे बाधाओं को तोड़कर,

> फाटक से होकर बाहर निकल जाएंगे;

> उनका राजा उनके आगे-आगे चलेगा,

> और यहोवा उनके आगे अगुवाई करेगा।

ये आयतें अनुग्रह, दया और पुनर्स्थापना की एक शक्तिशाली प्रतिज्ञा प्रदान करती हैं। यद्यपि परमेश्वर के लोग न्याय के पात्र थे, फिर भी उसने अपनी करुणा उन पर दिखाई। परमेश्वर स्वयं को उस व्यक्ति के रूप में प्रकट करता है जो मार्ग खोलता है—एक ईश्वरीय सेनापति की तरह जो अपनी सेना के आगे-आगे चलता है, और आगे का रास्ता साफ करता है ताकि उसके लोग स्वतंत्रता में कदम रख सकें।

प्रेरितों के काम 16:25,26

> 25 आधी रात के लगभग पौलुस और सीलास प्रार्थना करते हुए परमेश्वर के भजन गा रहे थे, और कैदी उनकी सुन रहे थे।

> 26 अचानक एक बड़ा भूकंप आया, यहाँ तक कि बंदीगृह की नींव हिल गई; और तुरंत सब द्वार खुल गए और सबके बंधन खुल गए।

बहुत कठिन परिस्थितियों के बीच, पौलुस और सीलास ने एक अलौकिक छुटकारे का अनुभव किया जो केवल उनके लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी था। उनकी प्रार्थनाओं और आराधना ने इस छुटकारे को संभव बनाया।

असंभव को संभव करने वाला परमेश्वर (GOD OF THE IMPOSSIBLE)

भजन संहिता 77:14

> तू ही वह परमेश्वर है जो आश्चर्यकर्म करता है;

> तूने जातियों के बीच में अपनी सामर्थ्य प्रकट की है।

यिर्मयाह 32:27

> "दे ख मैं तो सब प्राणियों का परमेश्वर यहोवा हूँ। क्या मेरे लिए कोई भी काम कठिन है?"

लूका 1:37

> "क्योंकि परमेश्वर की ओर से कोई भी वचन प्रभावहीन नहीं होगा (परमेश्वर के लिए कुछ भी असंभव नहीं है)। "

मत्ती 19:26

> यीशु ने उनकी ओर देखकर कहा, "मनुष्यों के लिए यह असंभव है, परन्तु परमेश्वर के लिए सब कुछ संभव है।"

परमेश्वर असंभव को करने में विशेषज्ञ है। वह प्राकृतिक परिस्थितियों में कदम रखकर अलौकिक परिणाम उत्पन्न करके चमत्कार करता है, और अपने द्वारा लाए गए हर छुटकारे (breakthrough) में अपनी सामर्थ्य और चरित्र को डालता है। वह हमेशा आशा का परमेश्वर है (रोमियों 15:13)।

जब परमेश्वर ने बाधाओं को तोड़ा (WHEN GOD BROKE THROUGH)

संकट में छुटकारा (BREAKTHROUGH IN DISTRESS)

1 शमूएल 1:15

> हन्ना ने उत्तर दिया, "नहीं, हे मेरे प्रभु, मैं तो एक दुखियारी स्त्री हूँ। मैंने न तो दाखमधु और न ही कोई मदिरा पी है, परन्तु मैं यहोवा के सामने अपने मन की भड़ास निकाल रही थी।"

भजन संहिता 62:8

> हे लोगो, हर समय उस पर भरोसा रखो;

> उसके सामने अपने हृदय उण्डेल दो;

> परमेश्वर हमारा शरणस्थान है। सेला

1 शमूएल 1:19,20

> 19 वे सवेरे तड़के उठकर यहोवा को दण्डवत् करके रामाह में अपने घर लौट आए। और एल्काना ने अपनी पत्नी हन्ना के साथ सहवास किया, और यहोवा ने उसे स्मरण किया।

> 20 समय पाकर हन्ना गर्भवती हुई और उसने एक पुत्र को जन्म दिया, और उसका नाम शमूएल यह कहकर रखा, "क्योंकि मैंने उसे यहोवा से माँगा है।"

हन्ना ने प्रार्थना में अपने टूटे हुए हृदय को परमेश्वर के सामने उंडेल दिया, और उसने उसके गहरे दुख को छलकते हुए आनंद में बदलकर उत्तर दिया।

ज़रूरत में छुटकारा (BREAKTHROUGH IN NEED)

1 राजा 17:12,14

> 12 उसने कहा, "तेरे परमेश्वर यहोवा के जीवन की शपथ, मेरे पास कोई रोटी नहीं है, घड़े में मुट्ठी भर मैदा और कुप्पी में थोड़ा सा तेल छोड़कर और कुछ नहीं है; और देख, मैं दो लकड़ियाँ बीन रही हूँ कि जाकर अपने और अपने बेटे के लिए उसे पकाऊँ, कि हम उसे खाएं और फिर मर जाएं।"

> 14 क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है: 'जब तक यहोवा पृथ्वी पर मेंह न बरसाए, तब तक न तो घड़े का मैदा खतम होगा और न ही कुप्पी का तेल घटेगा।'"

भयंकर अकाल और मृत्यु का सामना करते हुए, सारपत की विधवा ने परमेश्वर के वचन की सरल आज्ञाकारिता के माध्यम से निरंतर अलौकिक प्रावधान का अनुभव किया।

विफलता में छुटकारा (BREAKTHROUGH IN FAILURE)

यूहन्ना 21:3,6

> 3 शमौन पतरस ने उनसे कहा, "मैं मछली पकड़ने जाता हूँ।" उन्होंने उससे कहा, "हम भी तेरे साथ चलते हैं।" वे निकलकर तुरंत नाव पर चढ़ गए, और उस रात उन्होंने कुछ नहीं पकड़ा।

> 6 उसने उनसे कहा, "नाव की दाहिनी ओर जाल डालो, तो पाओगे।" तब उन्होंने जाल डाला, और अब मछलियों की बहुतायत के कारण वे उसे खींच न सके।

पूरी निराशा और विफलता की एक रात तुरंत अलौकिक प्रचुरता में बदल गई जब चेलों ने यीशु के निर्देश का पालन किया।

उत्पीड़न से छुटकारा (BREAKING THROUGH FROM OPPRESSION)

मरकुस 5:1-20 में, गेरासेन का दुष्टात्मा-ग्रस्त व्यक्ति तड़प रहा था और अपने समाज से बहिष्कृत था। यीशु के साथ एक मुठभेड़ के माध्यम से, वह पूरी तरह से मुक्त हो गया, उसकी दिमागी हालत ठीक हो गई, और वह अपने परिवार और ईश्वरीय बुलाहट से फिर से जुड़ गया।

स्वास्थ्य में छुटकारा (BREAKTHROUGH IN HEALTH)

लहू बहने की बीमारी वाली महिला, जि सका 12 वर्षों से लहू बह रहा था, तुरंत चंगी हो गई (मरकुस 5:25-34)। उसने कई वैद्यों के हाथों कष्ट उठाया था लेकिन उसे चंगाई नहीं मिली थी। उसके विश्वास के कारण यीशु ने उसे एक ही पल में चंगा कर दिया।

नुकसान का सामना करते समय छुटकारा (BREAKTHROUGH WHILE FACING A LOSS)

दुखद नुकसान के बाद परमेश्वर ने रूत के जीवन और भविष्य को फिर से बहाल कर दिया, जो छीनी गई चीज़ों को वापस करने की उसकी प्रतिज्ञा को दर्शाता है:

योएल 2:25

> "मैं उन वर्षों की भरपाई करूँगा जिन्हें टिड्डियों ने,

> रेंगने वाली टिड्डियों ने,

> नाश करने वाली टिड्डियों ने,

> और कुतरने वाली टिड्डियों ने,

> मेरी उस बड़ी सेना ने खा लिया है जिसे मैंने तुम्हारे बीच भेजा था।"

अंधकार और मृत्यु में छुटकारा (BREAKTHROUGH IN DARKNESS AND DEATH)

यीशु ने याईर की बेटी को मरे हुओं में से जीवित किया।

मरकुस 5:41,42

> 41 तब उसने बच्ची का हाथ पकड़कर उससे कहा, "तली ता , कूमी," जिसका अर्थ है, "हे लड़की, मैं तुझसे कहता हूँ, उठ।"

> 42 और लड़की तुरंत उठकर चलने लगी, क्योंकि वह बारह वर्ष की थी। और वे बहुत चकित हुए।

हम एक ऐसे परमेश्वर की सेवा करते हैं जो हमारे संघर्षों में हमारे लिए मार्ग खोलने और हमें विजय दिलाने में सक्षम है। परमेश्वर हमारी स्थिति में अपनी आशा का संचार करता है। परमेश्वर की आशा हमारी कोरी कल्पना से परे है। हमारे हृदयों में परमेश्वर की आशा उसकी प्रतिज्ञाओं की पूर्ति देखेगी।

उनका छुटकारा कैसे प्राप्त करें (HOW TO RECEIVE HIS BREAKTHROUGH)

हम चाहे जिस भी संघर्ष का सामना कर रहे हों, परमेश्वर हमारी परिस्थितियों में एक जीवित आशा—उसकी प्रतिज्ञाओं की निश्चितता पर आधारित आशा—प्रदान करता है।

अपने ईश्वरीय छुटकारे (Breakthrough) में कदम रखने के लिए:

प्रार्थना में परमेश्वर को खोजें: धन्यवाद के साथ अपनी चिंताएं उसके सामने रखें (फिलिप्पियों 4:6-7)।

विश्वास दिखाएँ: विश्वास करें कि उसकी इच्छा के अनुसार आप जो मांगते हैं, वह आपको मिल गया है (मरकुस 11:24)।

दृढ़ रहें: प्रतिज्ञाओं के वारिस होने के लिए धैर्य और विश्वास में दृढ़ता से खड़े रहें (इब्रानियों 6:12)।

क्रूस की विजय की घोषणा करें: अंधकार की हर शक्ति पर मसीह की अंतिम जीत की घोषणा करें (कुलुस्सियों 2:15)।

उसकी स्तुति करें और बलवान बनें: हम परमेश्वर की स्तुति करना चुन सकते हैं, और यह हमें अपनी लड़ाई जारी रखने के लिए उसकी अलौकिक सामर्थ्य प्रदान करता है (रोमियों 4:20)।

आइए हम अपना भरोसा बाधाओं को तोड़ने वाले परमेश्वर पर रखें और आज उसे पुकारें!

सारांश (SUMMARY)

हमारा परमेश्वर बाधाओं को तोड़ने वाला परमेश्वर (बाल-परासीम) है, जो मानवीय परिस्थितियों में अलौकिक रूप से हस्तक्षेप करता है। हम अपेक्षा कर सकते हैं कि वह हमारे संकट, वित्तीय या भौतिक आवश्यकता, विफलता, उत्पीड़न, बीमारी, गंभीर नुकसान और मृत्यु के समय में हस्तक्षेप करेगा। वह हमारी आशा का परमेश्वर बना रहेगा, तब भी जब हम निराश महसूस करते हैं।

छुटकारे (Breakthrough) के लिए परमेश्वर पर निर्भरता की स्थिति और उसके मार्गदर्शन के प्रति सक्रिय विश्वास/आज्ञाकारिता की आवश्यकता होती है। परमेश्वर अपने लोगों के आगे-आगे चलकर उन रास्तों को साफ करता है और खोलता है जो मानवीय रूप से असंभव लगते हैं।

हम प्रार्थना में परमेश्वर को खोजकर, विश्वास का प्रयोग करके, परीक्षाओं में दृढ़ रहकर, क्रूस की विजय की घोषणा करके और उसकी स्तुति करके ईश्वरीय छुटकारा प्राप्त कर सकते हैं।